स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

भारत में गिद्धों की 9 प्रजातियां पाई जाती हैं और सबकी सब विलुप्ति का खतरा झेल रही हैं। *जिप्स बेंगालेन्सिस* सबसे आम प्रजाति है। अनुमान है कि पिछले कुछ वर्षों में इसकी संख्या में 97 प्रतिशत गिरावट आई है।

गिद्ध पर्यावरण व स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण पक्षी हैं। ये मृत पशुओं (सामान्यतः स्तनधारियों) के मांस का भक्षण करके पर्यावरण को साफ-सुथरा रखते हैं। इस वजह से अन्य पशु व मनुष्य कई घातक संक्रमणों से सुरक्षित रहते हैं।

इनकी संख्या में तेज़ी से आई गिरावट के कई कारणों पर गौर किया गया है। अब आम तौर पर सहमति है कि पशुओं के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक दर्द निवारक दवा डिक्लोफेनेक के कारण गिद्ध मौत का शिकार हुए हैं। सरकार ने पशुओं में डिक्लोफेनेक के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रकृति के ये सफाई कामगार हमारा साथ निभाते रहेंगे।

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादकः डॉ. सुशील जोशी